सांस्कृतिक मेलजोल

शाहीना परवीन

अमेरिकी शिक्षा संस्थानों के परिसरों में विभिन्न भाषाओं, परंपराओं, धर्मों और जीवन शैलियों का अनुभव हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है।

स्टूडेंट्स © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

फिलाडेल्फिया, पेन्सिलवैनिया में मुस्लिम और गैर-मुस्लिम युवाओं के बीच धार्मिक विविधताओं को प्रतिबिम्बित करने वाले भित्ति चित्र बनाते विद्यार्थी।

अमेरिका में जीना और पढ़ना एक अलग अनुभव है। यहां पढ़ाने का तरीका और अध्यापकों का व्यवहार कुछ अलग है। पाठ्यक्रम बहुत विविध हैं। गणित आपका मुख्य विषय हो तो भी आप कला, संगीत, साहित्य और खेल की पढ़ाई कर सकते हैं। आप डिग्री तो पाते ही हैं, अपनी रुचियों को भी आगे बढ़ा सकते हैं।

यहां अध्यापकों का व्यवहार कुछ अनौपचारिक ही रहता है। हर छात्र को एक शैक्षिक सलाहकार के साथ जोड़ दिया जाता है। अपने छात्रों से अध्यापकों की अपेक्षाएं कमोबेश वही हैं जो भारत में होती हैं- दिया गया शैक्षिक कार्य समय पर पूरा करें, कक्षा में भागीदारी हो और कम से कम 98 प्रतिशत उपस्थिति।

कुछ छात्र अपने उच्चारण को लेकर झेंपते हैं और इसलिए कक्षा में बात करने से बचते हैं- लेकिन अध्यापक और सहपाठी अगर आपकी बात समझ लेते हैं तो फिर वे उच्चारण पर खास ध्यान नहीं देते।

कम से कम पहले बरस तो परिसर में ही रहने का प्रयास करें। इससे आप को छात्रों से घुलने-मिलने और गतिविधियों में भाग लेने में सुविधा रहती है। भारतीय छात्र इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन, इंडियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मुस्लिम स्टूडेंट्स एसोसिएशन और साउथ एशियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन से जुड़ सकते हैं।

जब मैं पेन्सिलवैनिया में चैटम यूनिवर्सिटी में आई तो यहां मुस्लिम छात्रों की समिति नहीं थी। मैंने और मेरे कुछ मित्रों ने तय किया कि कुछ शुरू किया जाए। कॉलेज अधिकारियों से अनुमति मिल गई और हम इस्लाम के संदेश के प्रसार के लिए कार्यक्रम आयोजित करने लगे। सबसे पहले हमने कॉलेज के कर्मचारियों और छात्रों के लिए इफ़्तार डिनर का आयोजन किया। डिनर के बाद इस्लाम में रमज़ान के महत्व पर चर्चा हुई।

मैंने इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के साथ मिलकर दीवाली और होली का भी आयोजन किया। इन समूहों से जुड़कर आप नेतृत्व और मिल कर काम करने के कौशल सीखने के साथ ही मित्र भी बना सकते हैं।

किसी छात्र के साथ कमरा साझा करना एक अलग संस्कृति को जानने का अवसर है। हमें बताया गया था कि हम अपने कमरे के साथी से अपने दोस्त होने की अपेक्षा न रखें, उनसे अच्छे साथी होने की अपेक्षा ही रखी जा सकती है। सांस्कृतिक अंतरों के कारण कुछ समस्याएं हो सकती हैं लेकिन उन्हें आपसी बातचीत से हल करना बेहतर रहता है। हां बात बढ़ जाए तो छात्रावास के अधिकारी समस्या का समाधान कर देते हैं।

जब मैं अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी तो मेरी कमरे की साथी पहले वर्ष की एक छात्रा थी। हमारे मिज़ाज और जीने के तरीके काफी अलग-अलग थे, हम दोस्त नहीं थीं लेकिन कमरे में अच्छी साथी ज़रूर थीं- एक-दूसरे के काम में बाधा डालने से बचने के लिए हम दोनों ने ही कुछ समझौते किए।

कुछ अंतरराष्ट्रीय छात्रों को, विशेषत: शाकाहारी होने पर खाने में परेशानी महसूस होती है। हमारे कैफेटेरिया में मिलने वाले कुछ व्यंजनों में अल्कोहल का इस्तेमाल होता था। हमने खाना तैयार करने वाले शेफ़ से निवेदन किया कि वह ऐसे व्यंजनों को अलग से लेबल कर दें। अमेरिका में पार्टियों और सामाजिक उत्सवों पर अल्कोहलयुक्त पेय परोसने का चलन आम है। अगर आप अल्कोहल का सेवन नहीं करते तो विनम्रता से मना कर दें, चाहें तो इसका कारण भी बता दें।

अमेरिकी दूसरी संस्कृतियों के बारे में जानने को उत्सुक रहते हैं। इस अवसर का उपयोग खुद के विकास के लिए करें। विदेश में पढ़ने का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना ही नहीं है, यह अपने जीवन को समृद्ध करने का अवसर भी है।

***शाहीना परवीन** पेन्सिल्वैनिया की चैटम यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान में ग्रेजुएट हैं और नई दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं।*